## Dainik Bhaskar (Indore), 28th September 2025, Page – 09

### पीएम ने वर्चुअली रखी आधारशिला, इंदौर में मंत्री सिलावट हुए शामिल

# IIT इंदौर में 624.57 करोड़ से बनेंगे इंडस्ट्रियल रिसर्च पार्क, एकेडमिक पॉड और लैक्चरर रूम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर का 624.57 करोड़ रुपए की लागत से विस्तार होगा। इसमें अत्याधुनिक एकेडमिक और रेसीडेंशियल बिल्डिंग्स, हाइटेक इक्विपमेंट की खरीदी, एकेडमिक पॉड, लैक्चर रूम, इंडस्ट्रियल डिजाइन पार्क, डिजाइन डिपार्टमेंट, स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर और गेस्ट हाउस बनेंगे। शनिवार को आईआईटी इंदौर में तीसरे चरण की आधारभूत संरचना के विकास की नींव रखी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल व मुख्यमंत्री भी वर्चुअल रूप से मौजूद रहे।

आईआईटी इंदौर परिसर में आयोजित समारोह में प्रदेश सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए जल संसाधन विभाग के कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए गर्व का विषय है कि आईआईटी इंदौर नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शैक्षणिक व अनुसंधान गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। ये गतिविधियां उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) से स्वीकृत है।

मंत्री सिलावट ने कहा कि आईआईटी इंदौर ने नर्मदा बेसिन का मानचित्रण, परिसर में वर्षा जल संचयन इकाइयों का विकास और आसपास के क्षेत्रों में भू-जल स्तर बढ़ाने जैसे उल्लेखनीय कार्य किए हैं। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में

रखते हुए कान्ह व गंभीर नदियों के पुनरुद्धार पर भी कार्य जारी है। मैं राज्य में बहने वाली नर्मदा बेसिन की 1 हजार किलोमीटर से अधिक लंबाई के मानचित्रण और परिसर में जल संरक्षण के लिए आईआईटी इंदौर के प्रयासों की भी सराहना करता हूं, जिससे आसपास के क्षेत्र में भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है। साथ ही आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए कान्ह और गंभीर नदी के पुनरुद्धार के लिए भी कार्य कर रही है। जिससे श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी का स्वच्छ एवं निर्मल जल प्राप्त हो सके। उन्होंने छात्रों व शोधकर्ताओं से जल संकट, पर्यावरण प्रदूषण और सतत विकास की चुनौतियों के समाधान के लिए टिकाऊ तकनीक विकसित करने का आह्वान किया। इस मौके पर आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी, डीन प्रो. पंकज सकदेव, रजिस्ट्रार शिवाप्रसाद होता सहित संकाय सदस्य, छात्र व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।